स्क्यान कैके

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

# पहुरा

PAHURA

NATIONAL DAILY



विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड



वर्ष २४ अंक ५३ वि.सं. २०८३ भदौ २२ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 07 September 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)


# मुक्त हलियाके समस्या स्थायी रूपमे समाधान कैना प्रतिबद्ध बटी : मुख्यमन्त्री भट्ट

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २१ भदौ ।** सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्टसे वास्तविक मुक्त हलियाके समस्या स्थायी, दिगो ओ न्यायोचित रूपमे समाधान कैना प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध रहलके बटैले बटै ।

कैलालीके धनगढीमे अँटवार आयोजित १८औं मुक्त हलिया दिवसके अवसरमे 'मुक्त हलियाके दिगो ओ न्यायोचित पुनर्स्थापनाके सन्दर्भमे सरोकारवालाबीच प्रदेशस्तरीय संवाद' कार्यक्रममे मुख्यमन्त्री भट्टसे मुक्त हलियाके पुनर्स्थापनाहे राहत वितरणमे किल सीमित नै करके दीर्घकालीन समाधानओर आघे बह्दलपर्ना बटैलै । वास्तविक पीडित मुक्त हलियाके समस्या ओ मागप्रति प्रदेश सरकार गम्भीर ओ जवाफदेही रहलके उल्लेख करटी उहाँसे उहाँहुकनके पीडाप्रति अपन पूर्ण ऐक्यबद्धता रहल बटैलै ।

मुख्यमन्त्री भट्टसे लम्बा समयसे हलिया समस्या समाधान हुइना नैसेकलके कारणबारे गम्भीर समीक्षा करके आगामी दिनमे ठोस योजना ओ परिणाममुखी कार्यक्रमके साथ आघे बह्देकपर्नामे जोड देलै । समस्या समाधान हुइना नै सेकलमे राज्य पक्ष ओ सम्बन्धित संघसंस्थामध्ये का कमजोरी रहल कना विषयमे समेत समीक्षा आवश्यक रहलके उहाँके कहाइ रहे ।

"समस्या समाधानके लग विगतके समीक्षा करटी कमजोरी पहिचान करेकपरठ । उहेसे निष्कर्ष निकरले मुक्त हलियाके समस्या समाधानओर ठोस रूपमे आघे बह्देकपरठ", मुख्यमन्त्री भट्ट कहलै, "मुक्त हलियाके दिगो पुनर्स्थापनाके लग आवास, शिक्षा, रोजगारी, जीविकोपार्जन ओ सामाजिक न्यायहे प्राथमिकतामे राखके कार्यक्रम सञ्चालन करेकपर्ना आवश्यकता बा ।"

मुक्त हलियाके आर्थिक ओ सामाजिक अवस्था सुधार हुइना करके पुनर्स्थापनाके कार्यक्रमहे प्रभावकारी बनैना सरकार, स्थानीय तह, सम्बन्धित संघसंस्था ओ समुदायबीच सहकार्य आवश्यक रहलके मुख्यमन्त्री भट्ट उल्लेख करलै ।

कार्यक्रममे प्रदेश उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरणमन्त्री प्रकाश रावल, भूमि व्यवस्था, कृषि ओ सहकारीमन्त्री दमनबहादुर भण्डारी, आर्थिक मामिला राज्यमन्त्री जानकी ऐर बम, भौतिक पूर्वाधार विकास राज्यमन्त्री जानकी कुँवरलगायतके सहभागिता रहल रहे ।

सरकारसे प्रमाणीकरण करलके १६ हजार ९ सय ५३ परिवारमध्ये हालसम १२ जिल्लाके १३ हजार ५४६ परिवारसे किल पुनःस्थापना प्याकेज पाइलके राष्ट्रिय मुक्त हलिया समाज महासंघके कार्यकारी निर्देशक हरिसिंह बोहरासे जानकारी देलै ।

उहाँके अनुसार पुनःस्थापना प्याकेज पाइलमध्ये १ हजार १०४ घरपरिवारसे पुनःस्थापना प्याकेजके अन्तिम किस्ता अभिन पाइल नै हो ।

सरकारसे प्रमाणीकरण करलमध्ये १ हजार १३५ परिवारके पुनःस्थापना हुइना बाँकी रहलके कार्यकारी निर्देशक बोहरा जानकारी देलै ।

उहाँसे पछिल्का समय बाजुराके कुछ स्थानीय तहसे छुट मुक्त हलियाके तथ्यांक संकलन करके परिचय पत्र वितरण करल बटै । उहाँके अनुसार बडिमालिके नगरपालिकासे ४४ जना, हिमाली गाउँपालिकासे १४२ जाने ओ लेकम गाउँपालिकासे २१२ जाने छुट मुक्त हलियाहे परिचयपत्र वितरण करल बा । मने उहाँहुकनके पुनःस्थापनाके कुछफे काम नैहुइलके उहाँ बटैलै । विसं २०७८ मे संघीय सरकारसे गठन करल मुक्त हलिया, कमैया, कम्लरी ओ हरुवाचरुवा समुदायके वस्तुस्थिति अध्ययन समितिके सदस्यसमेत रहलके संविधानसभा सदस्य हरि श्रीपाइलीसे अभिनफे मुक्त हलियाके पुनःस्थापनाके काम पूरा हुइना नै सेकल बटैलै ।

उहाँसे तीन तहके सरकारसे तदारुकता देखल मुक्त हलियाके पुनःस्थापनामे समय नैलाग्ना बटैलै ।

उहाँ कहलै 'छुटमुक्त हलियाके तथ्याङ्क अभिन सङ्कलन हुइना सेकलके नै हो । संघीय सरकारके चालु आर्थिक वर्षके बजेटमे फे मुक्त हलियाके पुनःस्थापनाके बाट नै आइल । हम्रे संघीय सरकारहे ज्ञापनपत्र मार्फत ध्यानाकर्षणफे करल बटी । तत्काल पुनःस्थापनाके माग करठी ।'

उहाँसे प्रदेश सरकारसेफे मुक्त हलियाके पुनःस्थापनाके लग खास पहल हुइना नै सेकल बटैले । उहाँ कहलै 'सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार चालू आवके बजेट ल्यानल तयारीमे बा । बजेटमे मुक्त हलियाके पुनःस्थापनाके कार्यक्रम समेटके इहिनहे पूर्णता देहल परठ ।'

महासंघके केन्द्रीय अध्यक्ष रमेशराम कोलीसे पुनःस्थापना हुइना बाँकी रहल मुक्त हलियाके सरकारसे चाडैं उचित पुनःस्थापना करेकपर्ना बटैलै । *(बाँकी २ पेजमे)*

# निजी क्षेत्रके लगानी मार्फत प्रदेशहे समृद्ध बनाब

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २१ भदौ ।** सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट प्रदेश सरकारके स्पष्ट नीति ओ निजी क्षेत्रके लगानीमार्फत सुदूरपश्चिमहे समृद्ध प्रदेशके रूपमे विकास करे पर्ना बटैले बटै ।

अँट्वारके यहाँ आयोजित निजी क्षेत्र ओ प्रदेश सरकारबीच बजेटसम्बन्धी अन्तरक्रिया कार्यक्रममे उहाँ औद्योगिक क्षेत्रके विकास ओ रोजगारी सिर्जनाहे प्रदेश सरकारसे आगामी बजेटमे प्राथमिकतासाथ सम्बोधन करे पर्ना बटाइल हुइट ।

मुख्यमन्त्री भट्ट प्रदेशके 'रातो किताब' रकम वितरण कैना पुलिन्दा नैहोके प्रदेशके समृद्धिके मार्गचित्र बने पर्ना धारणा व्यक्त करल रहिट । "बजेटसे प्रदेशके आवश्यकता, सम्भावना ओ जनताके अपेक्षाहे सम्बोधन करे सेके परठ् । ओकर लाग इ बेरके बजेटमे हमार प्रयास रही", उहाँ कहलै ।

मुख्यमन्त्री भट्ट सुशासनमे शून्य सहनशीलताके नीति अवलम्बन कैटी प्रदेशमे रहल बेथिति ओ अनियमितता नियन्त्रण कैना सरकार निर्मम होके आघे बह्दल बटैलै । बेथितिके विषयमे कौनो फेन सम्झौता नैकैना स्पष्ट कैटी उहाँ सुदूरपश्चिमके विकास ओ रूपान्तरणके लाग फेन सक्कु पक्ष गम्भीर होके एकताबद्ध रूपमे आघे बह्दे पर्नामे जोड डेलै ।

निजी क्षेत्रसे भोग्टी आइल समस्या समाधानके लाग प्रदेश सरकारसे आवश्यक पहल कैना प्रतिबद्धता व्यक्त कैटी मुख्यमन्त्री भट्ट प्रदेशके आर्थिक विकास ओ समृद्धिमे निजी क्षेत्रके भूमिका महत्त्वपूर्ण रहल उल्लेख करल रहिट । प्रदेश निर्माणके अभियानमे सरकार ओ निजी क्षेत्रबीच सहकार्य आवश्यक रहल उहाँके कहाइ रहे ।

अन्तरक्रियामे निजी क्षेत्रके व्यवसायी सुदूरपश्चिममे रहल सम्भावना तथा अपनेहुक्के भोग्टी आइल समस्या ओ चुनौतीबारे धारणा राखल रहिट । उहाँहुक्के कृषि, उद्योग तथा पर्यटन क्षेत्रके विकासके लाग प्रदेश सरकारसे नीतिगत सहजीकरण कैटी लगानीमैत्री वातावरण निर्माण करेपर्नामे जोड डेहल रहिट । उ अवसरमे उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरणमन्त्री प्रकाश रावल, आर्थिक मामिलामन्त्री चक्रबहादुर मल्ल, प्रदेश नीति तथा योजना आयोगके उपाध्यक्ष गोकर्णप्रकाश भट्टलगायतके सहभागिता रहे ।

# पहिरोसे बडीमालिका-९ के आधा दर्जन घरमे क्षति, दुई गोरु मरल

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २१ भदौ ।** अविरल वर्षासँगे आइलके पहिरोसे बाजुराके बडीमालिका नगरपालिका-९ मे आधा दर्जनसे बढ घरमे क्षति पुगल बा ।

घरउप्परसे खसल पहिरासे मोती उखेडा, धनबहादुर विक, तुले विक, परे थापा, जंग उखेडा ओ दीपक विकलगायतके घरमे क्षति पुगल हो । पहिरोसे कुछ घर पूर्ण रूपमे क्षतिग्रस्त हुइल बटै ।

पहिरोमे परके मोती उखेडाके दुईठो गोरु मरल बटै । जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाजुराके प्रहरी नायब उपरीक्षक शैलेश्वरी बोहराके अनुसार पहिरोसे घर ओ गोठमे क्षति पुगलफे मानवीय क्षति भर हुइल नै हो ।

पहिरो घरभिटर पसलपाछे भाँडाकुँडा, लत्ताकपडा, अन्नपातलगायतके सामग्रीमे समेत क्षति पुगल बा । घरमे पहिरो पसलपाछे प्रभावित परिवारहे थप जोखिममे परल बटै ।

अविरल वर्षाके कारण बाजुराके अन्य टमान ठाउँमे समेत बाढ, पहिरो ओ डुबानसे क्षति हुइल प्रारम्भिक विवरण प्राप्त हुइटीरहलके प्रहरीसे जनैले बा । जिल्लाके अन्य क्षेत्रमे कहाँ-कटरा क्षति हुइल कनाबारे यकिन विवरण भर आइना बाँकी बा ।

वर्षा निरन्तर हुइटीरहलसे पहिरोके जोखिममे रहलके बस्ती ओ परिवारहे सतर्क रहना ओ सुरक्षित ठाउँमे बैठना प्रहरीसे आग्रह करल बा ।

**स्माईल चौधरीसे प्रकाशित**
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
**प्रधान कार्यालय:** ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
**E-mail: dailypahura@gmail.com,**
**Website: pahura.com**
*मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी*

# स्थानीय तहके विपत् अभ्यास

विचार
कृष्णहरि बास्कोटा

नेपालमे भूकम्प, बाढ, पहिरो, डुबान, आगलागी, चट्याङ, हिमपहिरो जैसिन विपत्से समय समयमे भारी जनधनके क्षति पुगैटि आइल बा । पाछेक समय जलवायु परिवर्तन, अव्यवस्थित सहरीकरण, वातावरणीय क्षयीकरण, जोखिमयुक्त भूउपयोग तथा पूर्वाधार विकासके कारण विपत्के जोखिम ओ प्रभाव थप जटिल बनल बा । सडक दुर्घटना, वन्यजन्तुके आक्रमण, सर्पदंश जैसिन विपत् थपल बा । विपत् अइनाआघे जोखिम न्यूनीकरण ओ पूर्वतयारी करना तथा विपत्के समयमे शीघ्र प्रभावकारी ओ समन्वयात्मक तरिकासे प्रतिकार्यके काम करे सेक्ना संस्थागत क्षमता विकास कैके तयारी रहन आवश्यक बा ।

वर्षाके समयमे बाढ, पहिरो, अतिवृष्टि, ढल निकास अवरोधलगायतके अनेकौँ समस्या हुइना करठ । कुछ दिनआघे काठमाडौँ उपत्यकाभित्तरके सब पालिकाके जनप्रतिनिधि ओ कर्मचारी, स्थानीय प्रशासन, सेना, प्रहरीलगायत विपत् व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित विज्ञहे एक ठाउँमे भेला करागिल । यकर उद्देश्य विपत् व्यवस्थापनमे स्थानीय सरकारसे भोगल समस्या ओ असल अभ्यासके आदानप्रदान तथा विज्ञके रायसुझाव हासिल करना रहे । राष्ट्रिय विपत् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरण ओ सेन्टर फर इनोभेटिभ गभर्नेन्स प्राक्टिसेसके सहकार्यमे सिंहदरबारमे आयोजित यी कार्यक्रमसे मुलुकके सब ७५३ ठो स्थानीय सरकारहे यीसम्बन्धी काम करना सहयोग पुगल बा । नेपालके संविधानके अनुसूची–८ मे विपत् व्यवस्थापनहे स्थानीय सरकारके एकल अधिकारमे समावेश करल बा । यी अतिरिक्त संविधानके अनुसूची–७ ओ ९ मे यिहिनहे तिनु तहके सरकारके अधिकार सूचीमे फेन समावेश करल बा ।

काम औसतसे उप्पर पालिकासे विपत् व्यवस्थापन नीति तर्जुमा कैक लागु करल नैकरल, प्रतिकार्य योजना, पूर्वसूचना प्रणालीसम्बन्धी वार्षिक कार्ययोजना निर्माण कैके लागु करल नैकरल ओ जोखिम क्षेत्रके पहिचान ओ यीसम्बन्धी नक्सांकन करल नैकरल कना सम्बन्धमे मिश्रित अवस्था बा । काठमाडौँमे बर्सातके समय सडकमे पानी जम्न, एकडम ढलके निकास बन्द हुइना ओ बागमतीके १३ ठो बहिनी नदीके प्राकृतिक बहावहे रोके खोज्के बाढसे जनधनके क्षति करना करल बा । जथाभाबी प्लटिङके कारण ढिस्का गिरना, हिलाचिप्लो हुइना, प्राकृतिक स्वरूपमे कुरूपता पैदा हुइना करल बा ।

पालिकाभित्रे क्रियाशील संघ संस्था ओ व्यक्तिके सूचीकरण करल नैकरल, विपत्सम्बन्धी तथ्यांक अद्यावधिक हुइल नैहुइल, विपत् व्यवस्थापनके लाग बजेट ओ कोष व्यवस्था करल नैकरल कना सूचकांकमे नतिजा निराशाजनक बा । प्रायः सब पालिकाके अवस्था विश्लेषण कैके विपत् व्यवस्थापन करना स्रोतसाधनके सख्त अभाव डेखाइल । सब पालिकासे आपत्कालीन कार्यसञ्चालन केन्द्र खडा करेपरना, जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करना स्वयंसेवक परिचालन करेपरना सूचकमे भर उत्साहपूर्ण अवस्था डेखाइठ । आपत्कालीन नमुना अभ्यास करना, वारुणयन्त्रलगायतके उपकरण ओ खोज तथा राहत सामग्रीके भण्डारण करना जिम्मेवारीमे पालिकाके अवस्था सन्तोषजनक न्पागिल । समष्टिमे पालिकासे सम्पादन करल विपत् जोखिम न्यूनीकरण ओ व्यवस्थापनके काम औसतसे उप्पर मापन करगिल ।

काठमाडौँ महानगरपालिकामे राणाकालीन ढलके नक्सा उपलब्ध नैहोके समस्या बल्भल बा । आगामी दिनमे स्वर्णिम योजना अन्तर्गत विपत् जोखिमहे न्यूनीकरण करना व्यवस्थापनमे यी पालिका फड्को मारल । ललितपुर महानगरपालिका विपत् व्यवस्थापमे एकद्वार नीति लागु करले बा । यकर ११३० नम्बरके 'हेल्पलाइन' सञ्चालनमे बा । पालिकाभित्तरके ९० ठाउँमे 'फायर अलर्ट सिस्टम' जडान बा । यहाँ अर्ली वार्निङ सिस्टम जडान करनाके साथे डुबानके समयमे प्रयोग करना बोट खरिद करल बा । यी पालिकाके सब वडामे विपत् व्यवस्थापन कोष खडा करल बा ।

उपत्यकाभित्तरके अन्य नगरपालिकासे विपत् व्यवस्थापनमे अनेकौँ चुनौती सामना करटि बा । अइने अन्य पालिकाके लाग अनुसरणयोग्य असल अभ्यास फेन करले बा । भक्तपुरमे खेतीयोग्य जग्गाके कटान मुख्य समस्याके रूपमे डेखाइल । यी पालिकाभित्तरके राजमार्गमे हुरीबतासले रुख ढल्के डगर अवरुद्ध हुइना करल बा । अइसिन अवस्थामे पालिकासँग हेभी इक्विपमेन्ट नैहोके तत्काल सडक खुलाइ सेकल नैहो । तथापि पालिकाके सब वडामे समेत विपत् व्यवस्थापन समिति गठन हुइल बा । यी पालिकासे विपत् व्यवस्थापनके लाग बजेट विनियोजन करल बा । साथे खोलाके बाढ नियन्त्रण, आगलागी नियन्त्रणलगायतमा यी पालिका अग्रस्थानमे बा । कीर्तिपुर स्कुलमे चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करले बा । पानीके वैकल्पिक ट्यांकी निर्माण करले बा । साथ पहिरो, आगलागी ओ बाढ नियन्त्रणमे यी पालिका विशेष काम करल पाजाइठ ।

चन्द्रागिरि नगरपालिकाके नागढुंगा क्षेत्रमे पहिरोके जोखिम बा । सडकमे तानल तारके व्यवस्थापन एक चुनौती बनल बा । यी पालिकासे स्थानीय विपत् तथा जलवायु उत्थानशील कार्यढाँचा, २०८२ निर्माण करले बटैं । यी अन्य पालिकाके लाग अनुसरणयोग्य बा । यी पालिका बर्सेनि खोलाके बाढसे हुइना क्षति रोकेक लाग खोला सरसफाइ करले बा । महालक्ष्मी नगरपालिका कर्मनाशा खोलामे पूर्वसूचना प्रणाली जडान करले बा । यी पालिकाके ग्वार्को–लाँकुरीभन्ज्याङ सडक समस्याग्रस्त बा । यम्ने जथाभाबी प्लटिङके कारण समस्याग्रस्त एवं जोखिमयुक्त जग्गामा घर निर्माण हुइल डेखाइठ । यिहिनसे जग्गाके प्लटिङ करना कार्यमे पालिकासे कडाइ करना जरुरी हुइल महसुस हुइठ । तथापि यी पालिकासँग विपत्मे राहत डेना भण्डारके व्यवस्था बा ।

शंखरापुर नगरपालिकामे विपत् व्यवस्थापनके लाग दक्ष जनशक्ति ओ उपकरणके अभाव बा । यी पालिकाभित्तर भोटेचौर–चौकीभन्ज्याङ सडकमे भारी पहिरो बा । यकर रोकथाम नगरपालिकाके एकवेलि प्रयाससे सम्भव नैहो । पालिकासे बाढ, पहिरो, आगलागी, हावाहुरी जैसिन विपत्तिसँग जुध्न पालिकास्तरमे ओ वडास्तरमे समिति गठन कैके विपत् व्यवस्थापन कोष खडा करले बा । चाँगुनारायण नगरपालिकासे फेन विपत् व्यवस्थापनके लाग स्रोतसाधन अपर्याप्त रहल जनाइल बा । पालिकासे स्वयंसेवक परिचालन करल, नियमित बुलेटिन प्रकाशन करल ओ विपत् पोर्टल सञ्चालनमे नानल ओरसे अन्य पालिकाके लाग अनुकरणीय बा । मध्यपुर थिमी नगरपालिकामे भूकम्प, बाढ, पहिरो, आगलागी ओ सडक दुर्घटना प्रमुख विपत्के रूपमे बा । यी पालिका हरेक वर्ष वर्षाअगावे अरनिको राजमार्ग ओ हनुमन्ते खोलामे सरसफाइ अभियान सञ्चालन करठ ।

सूर्यविनायक नगरपालिकाके साँगाभन्ज्याङमे डगर विस्तारके क्रममे कुछ समस्या बा । यहाँ कटान क्षेत्र धेर बा ओ विपत् कोषमे पाँच करोड रुपियाँ छुट्याइल बा । यी पालिकामे हरेक वडामे दुई दुई ठो स्कुलहे आपत्कालीन सेल्टरके रूपमे विकास करल बा । यी अन्य पालिकाके लाग अनुसरणयोग्य बा ओ विपत् व्यवस्थापनके तालिम सञ्चालन करल बा । फोहोर व्यवस्थापन ओ 'जिंगल' के माध्यमसे जनचेतना फैलैना पालिका अग्रसर बा । गोकर्णेश्वर नगरपालिका बागमती नदीमे बाढके मात्रा ढेर हुइले बेला मोबाइलमे वार्निङ अइना एप सञ्चालनमे नन्ले बा । पालिकाभित्तर बर्सातिमे ठाउँ ठाउँमे पानी निकासके समस्या बा । यी पालिका विपत् कोषमे दुई करोड रुपियाँ छुट्यइले बा । पालिका ग्रिन आर्मी समूह गठन कैके नियमित तालिम डेटि बा । यिहिनसे स्कुल ओ गैससँग समन्वय कैके जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करले बा जोन अन्य पालिकाके लाग अनुसरणयोग्य बा ।

कागेश्वरी मनोहरामे मूलतः मनोहराखोलाके कटान समस्यासे बाढके जोखिम बढ्ढल बा । पालिकामे ढल व्यवस्थापन ओ डुबान प्रमुख समस्या हो । पालिकासे सबै वडामे विपत् व्यवस्थापन टिम खडा करल बा । यी पालिकासे पहिरो नियन्त्रण, डुबान व्यवस्थापनमे विशेष भूमिका निर्वाह करटि आइल बा । *(बाँकी ३ पेजमे)*

> कागेश्वरी मनोहरामे मूलतः मनोहराखोलाके कटान समस्यासे बाढके जोखिम बढ्ढल बा । पालिकामे ढल व्यवस्थापन ओ डुबान प्रमुख समस्या हो । पालिकासे सबै वडामे विपत् व्यवस्थापन टिम खडा करल बा । यी पालिकासे पहिरो नियन्त्रण, डुबान व्यवस्थापनमे विशेष भूमिका निर्वाह करटि आइल बा । वास्तवमे बस्तीमे खोल्हा पेलके नाइकि, खोल्सामे बस्ती बैठल ओरसे विनाश ओ विपत्तिके सामना करे परल हो । यी कटुसत्यहे तिनु तहके सरकार ओ आमजनतासे आत्मसात् करना ढिला करे नैपरठ । ललितपुर जिल्लाके महांकाल गाउँपालिकामे विगतके बाढसे धेर क्षति पुगल बा । यकर और पुनर्निर्माण हुइ सेकल नेहो । बर्सातिमे सडक अवरुद्ध हुइना यी पालिकाके प्रमुख समस्या हो । यी पालिकाके सीमित स्रोत ओ साधनसे किल अवरुद्ध सडक सञ्चालन करना सम्भव नैडेखाइठ । कोन्ज्योसोम गाउँपालिका फेन सडकमे पहिरो जैना ओ बाढके विपत्तिके समस्या बेहोरल बा । यी पालिकासे भोगटिरहल विपत् फेन पालिकाके बजेट ओ स्रोतसे किल व्यवस्थापन करना असम्भवप्रायः बा । बागमती गाउँपालिकामे फेन वर्षायाममे सडक अवरुद्ध हुइना करल बा । यी पालिकामे चट्याङ परना, बिजुली अवरुद्ध हुइना तथा हिउँदमे डढेलो लग्ना प्रमुख समस्या बा । यी सब मेरिक विपत्सँग सामना करना संघीय सरकार, प्रदेश सरकार ओ स्थानीय सरकारबिच घनीभूत सहकार्य हुइनाके विकल्प नैडेखाइठ ।

## राधाकृष्ण रथयात्राके भेटी बाढपीडितहे

**मोरङ, २१ भदौ ।** विराटनगरमे सम्पन्न ५९औँ राधाकृष्ण रथयात्राके क्रममे संकलित भेटी रकम बाढपीडितके राहतके लगि उपलब्ध कराइल बा ।

रथयात्राके क्रममे भक्तजनसे संकलित दुई लाख ८२ हजार चार सय १८ रुपियाँ प्रधानमन्त्री दैवीप्रकोप उद्धार तथा राहत कोषमे जम्मा करना निर्णय राधाकृष्ण रथयात्रा व्यवस्थापन समितिसे करल हो । समितिके अध्यक्ष कैलाश रेग्मी धार्मिक आस्थाके साथ भक्तजनसे प्राप्त रकम विपद्मे परल नागरिकके सहयोगमे उपयोग करना निर्णय करल बटैलैं । उहाँ रथयात्रासे प्राप्त रकमहे सामाजिक सेवामे लगैना उद्देश्यसे कोषमे जम्मा करे लागल जानकारी डेलैं ।

समितिके कोषाध्यक्ष नरेश राठीके अनुसार रथयात्राके क्रममे उ रकम संकलन हुइल हो । संकलित रकमके विवरण पारदर्शी रूपमे ढरल ओ निर्णयअनुसार प्रधानमन्त्री दैवीप्रकोप उद्धार तथा राहत कोषमे जम्मा करना उहाँ बटैलैं । धार्मिक उत्सवके क्रममे श्रद्धालुसे संकलित भेटीहे विपदमे परल नागरिकके राहतमे परिचालन करना निर्णयसे रथयात्राके सामाजिक उत्तरदायित्वहे समेत जोरल समितिके कहाइ बा ।

## मुक्त हलियाके समस्या...

उहाँ कहलै 'मुक्त हलियाहुकनके उचित बसोबास व्यवस्थापन हुइना नै सेकलके, छुट मुक्त हलियाके पहिचान हुइना सेकल नै हो । शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, दिगो जीविकोपार्जन, सामाजिक सशक्तीकरण ओ समावेशीकरणके विषयमे सरकारसे अपेक्षित काम करे सेक्ना नै हो ।'

महासंघके पैरवीपाछे सुदूरपश्चिम ओ कर्णाली प्रदेशके ३५ स्थानीय तहसे मुक्त हलिया पुनःस्थापना कार्यविधि पारित करल उहाँ जानकारी देलै ।

ओस्टेक, सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे २०८० सालमे मुक्त हलिया, कमैया ओ कम्लहरी पुनःस्थापना कार्यविधि पारित करना हरेक वर्ष बजेट विनियोजन करटी आइलके बटैटी बजेटके प्रभावकारी कार्यान्वयन हुइ नै सेक्ना आवास निर्माणके काम अपेक्षा अनुसार हुइ नै सेकल उहाँ बटैलै । उहाँसे चालु आर्थिक वर्षमे मुक्त हलियाहे प्राथमिकतामे राखके पर्याप्त बजेट विनियोजन कैना ओ न्यायोचित पुनःस्थापनाके सुनिश्चितता कैना प्रदेश सरकारसँगे माग करलै ।

महासंघसे नेपाल सरकार ओ मुक्त हलियाबीच हुइल पाँचबुँदे सहमति, १० बुँदे सिफारिस ओ ५ सदस्यीय वस्तुस्थिति अध्ययन कार्यदलके प्रतिवेदनहे तत्काल कार्यान्वयनके प्रक्रियामे लैजान माग करल बा ।

## संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ धनगढीगाउँ स्थित कित्ता नं. १६८ क्षेत्रफल ४१५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री तारा जोशीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः टिकाराम जोशी — पश्चिमः सडक
उत्तरः विरबहादुर बोहरा — दक्षिणः डम्मरी जोशी

**धनगढी उपमहानगरपालिका**
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

## डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी

**विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...**

हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

## पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि्ठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

## जरुरी टेलिफोनके

**प्रायोजक:**
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
*नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।*
प्रो.रमेश चौधरी
**केभी मासु पसल**
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगे
मो. ९८११६३५६८०

**एक्बुलेन्स नम्बर**
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

**प्रहरी**
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

**बैक**
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

**सरकारी कार्यालय**
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

**अस्पताल**
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

**होटल**
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

**शैक्षिक संस्था**
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

**राजनैतिक पार्टी**
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

**एफ.एम**
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

# विद्युत् निर्यातके लाग नयाँ आयोजना प्रस्तुत

**काठमाडौँ, २१ भदौ ।** भोटेकोशी बाढके कारण अवरुद्ध हुइल बंगलादेशके विद्युत् निर्यातके लाग नयाँ आयोजना स्वीकृत करना नेपाल बंगलादेशसमक्ष प्रस्ताव करले बा । नेपाल भारत ओ बंगलादेशमे करिब एक हजार दुई सय मेगावाट विद्युत् निर्यात करना करलमे बाढके कारण ५५ मेगावाट किल प्रभावित हुइल बा ।

नेपाल–बंगलादेश व्यापारके लाग सूचीकृत दुई आयोजना चिलिमे जलविद्युत् आयोजना ओ त्रिशूली जलविद्युत् केन्द्र बाढसे बहाके बंगलादेश निर्यात प्रभावित हुइटि आइल बा । भदौ १० के यी विपत्लगत्ते नेपाल विद्युत् प्राधिकरण बंगलादेशके लाग निर्यात करना इन्डियन इनर्जी एक्सचेन्जमे सूचीकृत रहल आयोजनाहे बंगलादेशसमक्ष प्रस्ताव करे लागल हो ।

कुल ४० मेगावाट सूचीकृत करना नियमित विद्युत् उत्पादन करटिरहल अन्य दुई आयोजना बंगलादेशसमक्ष प्रस्ताव करल होरु। नेपाल प्रत्येक वर्ष जुन १५ तारिकसे नोभेम्बर १५ सम ४० मेगावाट विद्युत् निर्यात करना सम्झौता बा ।

ओस्टेक भारतओर मध्यकालीन सम्झौता अन्तर्गत सूचीकृत रहल देवीघाट जलविद्युत् आयोजनाके १४.५ मेगावाट विद्युत् निर्यात फेन अवरुद्ध हुइल बा । उ आयोजना अवरुद्ध हुइल ओरसे ओकर प्रतिस्थापनके लाग फेन औरे आयोजना प्रस्ताव करे लागल नेपाल विद्युत् प्राधिकरण जनैले बा । प्राधिकरण विद्युत् व्यापार विभागके अनुसार बाढके कारण करिब चार सय मेगावाट विद्युत् उत्पादन बन्द हुइलेसे फेन भारत निर्यात भर नियमित हुइटि बा ।

### लगानीमैत्री वातावरणके माग

यिहेबिच स्वतन्त्र ऊर्जा उत्पादकके संस्था, नेपाल (इप्पान) लगानी बोर्ड नेपालसँग भारी विद्युत् तथा पूर्वाधार आयोजनाके लगानी सहजीकरणके लाग नीतिगत एवं प्रक्रियागत सुधार करना माग करले बा ।

इप्पान अध्यक्ष मोहनकुमार डाँगीके नेतृत्वमे लगानी बोर्ड नेपालके नवनियुक्त प्रमुख कार्यकारी अधिकृत यांकी उक्यावहे बधाई डेके पुगल प्रतिनिधि मण्डल स्वदेशी लगानीके छ अर्ब रुपियाँसे ढेर लागतके सब आयोजना अनिवार्य रूपमे लगानी बोर्डमे नानेपरना व्यवस्था पुनरवलोकन करना माग करल हो ।

इप्पान प्रतिनिधि मण्डल बोर्डमे इप्पानके प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना तथा भारी जलाशय जलविद्युत् आयोजनामे निजी क्षेत्रहे लगानी करना वातावरण बनैना फेन आग्रह करल बा ।

अध्यक्ष डाँगी लम्मा समयसे ऊर्जाक्षेत्रमे लगानी करेलेसे हासिल करना अनुभवके आधारमे निजी क्षेत्रहे आयोजना विकास, लगानी आकर्षण ओ निर्माणहे तीव्रता डेना मेरिक बोर्ड अपन भूमिका प्रभावकारी बनाइपरना धारणा ढरलैं ।

इप्पानसे प्रस्तुत करल सुझाव ग्रहण करटि लगानी बोर्डके प्रमुख कार्यकारी अधिकृत उक्यावसे निजी क्षेत्रसे हासिल करल अनुभव ओ व्यावहारिक ज्ञानहे आधार बनाके विद्युत् आयोजनाके लगानी आकर्षण तथा निर्माणहे सहज बनैना मेरिक नीतिगत सुधारके काम आघे बह्नैना प्रतिबद्धता व्यक्त करलैं ।

ऊर्जा तथा भारी पूर्वाधार आयोजनामे डेखाइल नीतिगत, कानुनी, प्रशासनिक ओ प्रक्रियागत समस्याबारे सुझाव प्रस्तुत करल इप्पान जनाइल बा ।

इप्पानसे लगानी बोर्ड अन्तर्गतके एकद्वार सेवा प्रणालीहे निवेदन बुझ्नैना वा सम्बन्धित निकायमे पत्राचार करना माध्यमके रूपमे किल सीमित नैकैके निर्णय, स्वीकृति, समन्वय, अनुगमन तथा समस्या समाधान करे सेक्ना अधिकारसम्पन्न संयन्त्रके रूपमे विकास करेपरना सुझाव डेहल बा । ओस्टेक जलाशययुक्त तथा अर्धजलाशययुक्त जलविद्युत् आयोजनाहे राष्ट्रिय प्राथमिकतामे ढरेपरनामे जोड डेहल बा ।

अइसिन आयोजनामे निजी क्षेत्रके लगानी आकर्षित करना छुट्टे लगानी तथा प्रतिफल संरचना, दीर्घकालीन विद्युत् खरिद सुनिश्चितता, वैज्ञानिक क्षमता तथा ऊर्जा शुल्क, निर्माण अवधिके उच्च वित्तीय लागत व्यवस्थापन ओ जलाशयसे हुइना बहुउद्देश्यीय लाभके आर्थिक मूल्यांकन करेपरना माग करल बा ।

> "लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

## स्थानीय तहके...

वास्तवमे बस्तीमे खोल्हा पेलके नाइकि, खोल्सामे बस्ती बैठल ओरसे विनाश ओ विपत्तिके सामना करे परल हो । यी कटुसत्यहे तिनु तहके सरकार ओ आमजनतासे आत्मसात् करना ढिला करे नैपरठ ।

ललितपुर जिल्लाके महांकाल गाउँपालिकामे विगतके बाढसे धेर क्षति पुगल बा । यकर और पुनर्निर्माण हुइ सेकल नेहो । बर्सातमे सडक अवरुद्ध हुइना यी पालिकाके प्रमुख समस्या हो । यी पालिकाके सीमित स्रोत ओ साधनसे किल अवरुद्ध सडक सञ्चालन करना सम्भव नैडेखाइठ । कोन्ज्योसोम गाउँपालिका फेन सडकमे पहिरो जैना ओ बाढके विपत्तिके समस्या बेहोरल बा । यी पालिकासे भोगटिरहल विपत् फेन पालिकाके बजेट ओ स्रोतसे किल व्यवस्थापन करना असम्भवप्रायः बा । बागमती गाउँपालिकामे फेन वर्षायाममे सडक अवरुद्ध हुइना करल बा । यी पालिकामे चट्याङ परना, बिजुली अवरुद्ध हुइना तथा हिउँदमे डढेलो लग्ना प्रमुख समस्या बा । यी सब मेरिक विपत्सँग सामना करना संघीय सरकार, प्रदेश सरकार ओ स्थानीय सरकारबिच घनीभूत सहकार्य हुइनाके विकल्प नैडेखाइठ ।

*साभार: गोरखापत्र दैनिकसे*

अन्तर्राष्ट्रिय

# चीनके 'पालास–१' रकेटके पहिल उडान सफल

**काठमाडौँ, २१ भदौ ।** चीन 'पालास–१ वाई–१' नामक रकेटके पहिल परीक्षण उडान सफलतापूर्वक सम्पन्न करले बा । चीनके उत्तरपश्चिमी क्षेत्रमे रहल दोङफेङ व्यावसायिक अन्तरिक्ष नवप्रवर्तन परीक्षण क्षेत्रमे मंगर बिहान १० बजे (बेइजिङ समय) रकेट प्रक्षेपण करल रहे । प्रक्षेपणपाछे रकेटसे अपेक्षाअनुसार काम करटि अपन पेलोडहे निर्धारित कक्षमे सफलतापूर्वक पुगैले रहे ।

परीक्षणके क्रममे निर्धारित सब उद्देश्य पूरा हुइल ओ सक्कु अभियान सफल हुइल चिनियाँ समाचार संस्था सिन्हुवा जनैले बा । यी उडान 'पालास–१' रकेटके पहिल उडान हो ।

'पालास–१' मध्यम आकारके दुई चरणमे आधारित तरल इन्धनयुक्त रकेट हो । यिहिनहे चिनियाँ निजी अन्तरिक्ष कम्पनी ग्यालेक्टिक इनर्जीसे अपन प्रविधिके प्रयोग कैके विकास करल हो ।

रकेटके लम्बाइ करिब ५२ मिटर ओ मुख्य भागके व्यास ३।३५ मिटर रहल बा । यकर प्रक्षेपण समयके कुल तौल करिब २८३ टन ओ प्रक्षेपण क्षमता करिब ३५० टन बराबरके रहल कम्पनी जनैले बा । यिहिनसे न्यून पृथ्वी कक्ष (लो अर्थ अर्बिट) मे ५ से ७ टनसमके पेलोड पुगाइ सेक्ना क्षमता बटिस ।

ग्यालेक्टिक इनर्जीके एक अधिकारीके अनुसार, 'पालास–१' व्यावसायिक उपग्रहके ग्राहकहे प्रभावकारी ओ तुलनात्मक रूपमे कम लागतमे अन्तरिक्षमे पेलोड पुगैना सेवा उपलब्ध करैना उद्देश्यसे विकास करल हो । कम्पनीसे यिहिनहे ग्राहकके लाग सुविधाजनक "अन्तरिक्ष एक्सप्रेस" के रूपमे प्रस्तुत करले बा ।

रकेटके मुख्य प्रणोदन प्रणालीमे कम्पनीसे अपन प्रविधिसे विकास करल 'सीक्यू–५०' तरल अक्सिजन–केरोसिन इन्जिन प्रयोग करल बा । पहिल चरणमे अइसिन सातु इन्जिन समानान्तर रूपमे जडान करल बा ।

# भोटेकोशी हिमबाढीके पीडा : आपन मनैन्के पर्खाइमे आफन्त

**काठमाडौँ, २१ भदौ ।** "सरसापट कैके हुइलेसे फेन छावाके जन्मदिन मजासे मनाडेहो । ठेकेदार फेन काम करल पैसा डेले नैहो । दुई महिना काम करल पैसा बुझ्के मै डसैँमे घर अइबु । घरपरिवारके ख्याल करहो", भदौ १० गतेके भोटेकोशी बारहमे बेपत्ता हुइनासे आघेक दिन रात गोसिनीया सरस्वती चौधरीसँगके पारिवारिक सल्लाहमे खुसीराम चौधरी उक्त योजना सुनाइल रहिट ।

असारमे धान लगाके सेकके डसैँ मनैना खर्चके जोहो करे ढलान मिस्त्रीके रूपमे काम करक लाग रसुवाके लाङटाङ जलविद्युतमे पुगल कञ्चनपुरके वेदकोट नगरपालिका–५ के खुसीराम चौधरी ओट्ठनसे यहाँर बेपत्ता रहल बटै । खुसीराम आघक दिन किल फोनमे करल सामान्य लग्ना उ बातचित अब्बे सरस्वतीके लाग जीवनके सबसे बरवार सम्झना बनल बा । एकदमहस फेसबुकमे भिडियो कल कैना खुसीराम भदौ ९ गते रात खाना खाके गोसिनीयासे अडियो कल करल रहिट । ओट्ठनसे सरस्वतीहे फोन आइल नैहो । न उहाँके अवस्थाबारे कौनो जानकारी आइल हो । गोसिया भोटेकोशीके बारहमे बेपत्ता हुइलपाछे अब्बे सरस्वतीके दैनिकी आशा ओ प्रतीक्षामे बिट्टी रहल बा, "कहाँरोसे गोसियक खबर आइठ् कि ?"

ताप्लेजुङमे रहल आफन्त रसुवामे बरवार बारह् आइल ओ बारहसे ढेर जनधनके क्षति पुगाइल खबर सुनल यहाँर सरस्वती घरी घरी खुसीरामहे फोन कैना प्रयास कैटी आइल बटी मने खुसीरामके फोन स्विच अफ रहल ओ कहाँरोसे अइना एक फोनसे जीवनमे फेनसे ओजरार लाने सेकी कना आशामे उहाँ दिन कट्टी रहल बी ।

उहाँ सुनैली, "गोसिया बारहमे बेपत्ता हुइल यहाँर अब्बे मोर दैनिकी भगवानहे प्रार्थना कैना ओ दिनभर मोबाइल हेरेक उहाँके अवस्थाबारे जानकारी मिल्ठ् कि कहटी बिट्ना करल बा ।

आफन्त ओ लग्गेक भचिन्तकके अपरिचित नम्बरसे करल फोनके घन्टी बजेबर कतै उहाँके खबर हो कि ? कना लागठ् मने उ आशा कुछ क्षणमे निराशामे बदलटी आइल बा ।" गत असारमे धान लगाके सेकके रसुवा पुगल खुसीराम बारह् अइनासे आघक रात डसैँमे घर अइबु कहिके सरस्वतीसँग करल वाचाहे सम्झटी उहाँ गोसियक आशामे रहल बटी ।

भावुक हुइटी उहाँ कहली, "घरआघेक खेट्वामे उहाँ उहाँ धान लगाके गैल रहिट पक्ना समय हुइ लागल बा मने धान काटे घर पुगक कहिके गैल गोसिया बेपत्ता हुइल बटै । अब्बे मोबाइलमे फोन आइबर उहाँके खबर हो कि जैसिन लागठ् मने हरेकचो औरेक फोन रहठ् । उहाँके खबर कब आइ कना पटा नैहो ।"

सरस्वतीके परिवारमे किल नैहोके, वेदकोट नगरपालिका–५ के प्रकाश चौधरी ओ वडा नं. २ के रामचन्द्र चौधरीके आफन्तके मनमे फेन अब्बे रसुवा बारहसे फेन बरवार बारह् गैल बा । बारहमे बेपत्ता दादा राम चौधरीके खोजीमे रसुवा जैना क्रममे बिफेक रोज राजधानीमे भेटल हिरा चौधरी समेत बारह् गैल दिनसे नै परिवारके आशा ओ पीडासँगसँगे चल्टी रहल सुनैलै ।

उहाँ कहलै, "एकओर दादा सकुशल भेटजैही कना आशा बा । औरेओर लम्मा समयसम्म कौनो खबर नैआइबर मनमे अनेकौँ प्रश्न उठ्ठ ।" अक्के जलविद्युतमे काम कैटी आइल खुसीराम, प्रकाश ओ रामचन्द्रके अवस्थाबारे जानकारी लेहेक लाग काठमाडौँ आइल रूपेश चौधरी ओ सुन्दर चौधरी फेन आपन प्रियजन भेटजैना आशा जीविते रहल सुनैलै । रूपेश कहलै, "परिवारके लाग इ केवल एक बेपत्ता व्यक्तिके खोजी नैहो । अब्बे हमार हरेक दिन दादा भेट्ना आशामे बिट्टी रहल बावै हरेक रात चिन्ता ओ पीडामे बिट्ना करल बावै ।"

बारहमे दादा बेपत्ता हुइलपाछे खोज्टी नेंगल उहाँहुक्के घटनास्थल अवलोकनके लाग शुक्के रोज रसुवा पुग्लेसे फेन लाङटाङ जलविद्युत् आयोजनाके टनेलसम पुगक लाग हेलिकोप्टर किल विकल्प हुइलपाछे प्रभावित क्षेत्रमे पुगे सेकल नैहुइट । डगरामे रुकल बटै ।

लडिया किनार, बारह् प्रभावित क्षेत्र ओ सम्भावित ठाउँमे पुगके आफन्तके खोजीमे लग्ना तयारी अनुसार कञ्चनपुर क्षेत्र नम्बर १ से प्रतिनिधि सभा सदस्य रहल जनकसिंह धामी, निराशा चौधरी ओ स्थानीय जनप्रतिनिधिके सहयोगमे परिवारके खोजीमे भोटारट रसुवा ओर लागल उहाँहुक्के बारह् ढेरचिज पुहैलेसे फेन दादाहे भेटके घर लैजैना आशा आभिन नैपुहगल सुनैलै ।

प्रतिनिधि सभा सदस्य धामीके अनुसार उहाँहुक्केसहित कञ्चनपुरसे बारहमु १३ जाने बेपत्ता हुइल बटै । शुकके त्रिशूली जलविद्युतसे दुई जनहनके जीवितै उद्धार हुइलसँगे उहाँहुक्नके परिवार फेन आपन आफन्त सकुशल रहल आशासहित हाली उद्धार होके घर जैना प्रतीक्षामे रहल बटै ।


पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौं रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

# सुदूरपश्चिममे करिब दुई महिनासे बजेट शून्यता

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, २१ भदौ ।** सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार करिब दुई महिनासे बजेटविहीन अवस्थामे रहल बा । प्रदेशके आर्थिक गतिविधि प्रभावित हुइटी रहल बेला सरकार भर नयाँ बजेट लन्ना विषयमे ठोस निर्णयमे पुगे सेकल नैहो ।

एकओर कर्मचारी समयमे तलब पाइ नैसेक्ना अवस्था सिर्जना हुइल बा कलेसे औरेओर विकास निर्माण तथा सरकारी कार्यक्रम प्रभावित हुइ लागल बावै । मने प्रदेश सरकारके नेतृत्व भर बजेट निर्माणहे प्राथमिकता डेनासे फेन टमान औपचारिक कार्यक्रम तथा भ्रमणमे केन्द्रित डेखल कहटी आलोचना सुरु हुइल बा ।

तत्कालीन कमल बहादुर शाह नेतृत्वके सरकारसे गत असार १ गते आगामी आर्थिक बरसके लाग प्रदेशके बजेट लानल रहे । मने उक्त बजेट प्रदेश सभासे पारित हुइ नैसेकल । बजेट असफल हुइलसँगे तत्कालीन सरकार राजनीतिक रूपमे समेत संकटमे परल रहे । ओकरपाछे सावन २८ गते तत्कालीन मुख्यमन्त्री कमल बहादुर शाह पदसे राजीनामा डेहल रहिट । राजनीतिक समीकरण परिवर्तनसँगे नेकपा एमाले ओ नेकपाके गठबन्धनसे खगराज भट्टके नेतृत्वमे नयाँ प्रदेश सरकार गठन रहे । नयाँ सरकार गठन हुइलपाछे प्रदेशहे लम्मा समयसे कायम बजेट शून्यताके अवस्थासे मुक्त करैना अपेक्षा करल रहे । मने सरकार गठन हुइल समय बिट्लेसे फेन नयाँ बजेट लन्ना विषयमे सरकारसे ठोस पहल आघे बह्राइ नैसेकल डेखल बा ।

बजेट नैहोके प्रदेश सरकारअन्तर्गतके टमान कार्यालय तथा कार्यक्रम प्रभावित हुइ लागल बावै । कर्मचारीके तलबभत्ता व्यवस्थापनमे समस्या डेखपरे लागल बा कलेसे

विकास निर्माणके योजना तथा नयाँ कार्यक्रममसमेत प्रभावित बन्ना अवस्था आइल बा । प्रदेशके आर्थिक गतिविधि नै प्रभावित हुइटी रहल बेला सरकारके प्राथमिकता भर बजेट निर्माणसे अन्य गतिविधिमे केन्द्रित हुइल आरोप लागे लागल बा । अँट्वारके किल सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट १८औँ मुक्त हलिया दिवसके अवसरमे आयोजित एक प्रदेशस्तरीय कार्यक्रममे बर्का पहुनाके रूपमे सहभागी हुइल रहिट ।

राष्ट्रिय मुक्त हलिया समाज महासंघ नेपालसे आयोजना करल 'मुक्त हलियाके दिगो ओ न्यायोचित पुनर्स्थापनाके सन्दर्भमे सरोकारवालाबीच प्रदेशस्तरीय संवाद' कार्यक्रममे मुख्यमन्त्री भट्टसँगे प्रदेश सरकारके तीन जाने मन्त्रीसमेत सहभागी हुइल रहिट । कार्यक्रममे उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्री प्रकाश रावल, भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्री दमन भण्डारी तथा आर्थिक मामिला राज्यमन्त्री जानकी ऐर बम, भौतिक पुर्वाधार बिकास राज्यमन्त्री जानकी कुँवरके उपस्थिति रहल रहे । प्रदेश सरकारके मुख्यमन्त्रीसहित टमान मन्त्रालयके जिम्मेवारी सम्हारल मन्त्री अक्के औपचारिक कार्यक्रममे सहभागी हुइटी रहल बेला प्रदेश भर बजेटविहीन अवस्थामे रहल कहटी आलोचना हुइ लागल बा । प्रदेशहे तत्काल बजेट शून्यताके अवस्थासे मुक्त कराइ पर्ना बेला सरकारके प्रमुख पदाधिकारी कोठे कार्यक्रममे केन्द्रित हुइल टिप्पणी हुइ लागल बा ।

यहाँर प्रदेशके बजेट निर्माणके मुख्य जिम्मेवारी पाइल आर्थिक मामिला मन्त्रालयके नेतृत्वसमेत प्रदेशके आर्थिक संकट समाधानमे केन्द्रित डेखल नैहो । आर्थिक मामिला मन्त्री चक्र मल्ल इ बेला गृहजिल्ला डोटीके भ्रमणमे रहल बटै । मन्त्री बनलपाछे पहिलचो गृहजिल्ला पुगल मल्लहे टमान स्थानमे स्वागत तथा सम्मानके कार्यक्रम आयोजना करल बटाइल बा । नेकपा एमालेके जिल्ला कमिटी बैठकमे सहभागी हुइना मन्त्री मल्ल डोटी पुगल हुइट । गृहजिल्ला पुगल मन्त्री मल्लहे कार्यकर्ता तथा समर्थक खादा ओ मालासहित स्वागत करटी रहल बटै ।

प्रदेशके बजेट प्रस्तुत कैना मुख्य जिम्मेवारी बोकल आर्थिक मामिला मन्त्रालयके मन्त्री नै गृहजिल्ला भ्रमण ओ राजनीतिक कार्यक्रममे व्यस्त रहेबर बजेट निर्माणके काम कब आघे बह्ठ् कना प्रश्न उठल् बा । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके लाग बजेट शून्यताके अवस्था लब्याइटी जैना चिन्ताके विषय बनल बा । बजेट नैहोके प्रदेश सरकारके नियमित आर्थिक गतिविधि किल नैहो, विकास निर्माण, सेवा प्रवाह तथा नयाँ कार्यक्रमसमेत प्रभावित हुइना जोखिम बह्ल बा ।

प्रदेशके राजनीतिक अस्थिरताके कारण सुरु हुइल बजेट संकट नयाँ सरकार गठनपाछे समाधान हुइना अपेक्षा करल रहे । मने नयाँ सरकारसे समेत बजेटहे तत्काल प्राथमिकतामे राखके आवश्यक प्रक्रिया आघे नैबह्राइबर प्रदेशके आर्थिक गतिविधि थप प्रभावित हुइना डेखल बा । एकओर प्रदेशके कर्मचारी तथा सरकारी संयन्त्र बजेट अभावके असर भोग्टी रहल बावै कलेसे औरेओर विकास निर्माणके योजना पाछे जैना खतरा बह्ल बा । अइसीन अवस्थामे प्रदेश सरकारके सम्पूर्ण ध्यान तत्काल बजेट निर्माण ओ पारित कैना प्रक्रियामे केन्द्रित हुइ पर्ना सरोकारवालाके कहाइ रहल बा ।

मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रीके पाछेक गतिविधि हेरे प्रदेशके प्रमुख आवश्यकता बनल बजेट निर्माणसे औपचारिक कार्यक्रम, राजनीतिक भेटघाट ओ जिल्ला भ्रमणहे प्राथमिकता डेहल आरोप लागे लागल बा । आब प्रदेश सरकार कटरा हाली बजेट निर्माणके प्रक्रिया टुंग्याके सुदूरपश्चिमहे बजेट शून्यताके अवस्थासे मुक्त करठ् विषय आमचासोके विषय बनल बा ।

# खोड्पेमे हेलिप्याडसहित मानवीय उद्धार सहायता स्थल

**बैतडी, २१ भदौ ।** सुदूरपश्चिम प्रदेशके पहाडी जिल्लामे हुइना आकस्मिक विपद्हे ध्यानमे राखके बैतडीके खोड्पेमे प्रदेशस्तरीय मानवीय उद्धार सहायता स्थल सञ्चालनमे आइल बा । बैतडी, बझाङ ओ दार्चुला सहित तीन जिल्ला जोर्ना रणनीतिक स्थानके रूपमे रहल खोड्पेमे हेलिप्याडसमेत व्यवस्था करल बा ।

विपद्के समयमे तत्काल खोज, उद्धार तथा राहत सामग्रीके भण्डारण ओ परिचालन कैना उद्देश्यसे गृह मन्त्रालय ओ स्थानीय तहके समन्वयमे दुई बरससे सहायता स्थल सञ्चालनमे रहल प्रमुख जिल्ला अधिकारी मीना अर्याल बटैली ।

सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्लामे बाढी, पहिरो वा अन्य प्राकृतिक प्रकोप हुइनासाथ इ केन्द्रसे सामग्री ओ जनशक्ति परिचालन कैके नागरिकहे तत्काल राहत तथा उद्धार सहायता पुगैना सहज हुइना उहाँ जानकारी डेलै ।

उद्धार तथा खोजके लाग सहायता स्थलमे आवश्यक सामग्री हुइलेसे फेन राहत वितरणके लाग भर तत्काल कौनो सामग्री नैरहल उहाँ बटैलै । पीडितहे लुगाकपडाजैसिन अत्यावश्यक सामग्री प्रदान कैना स्थानीय तहसँग समन्वय हुइटी रहल प्रमुख जिल्ला अधिकारी अर्याल बटैली ।

सहायता स्थलके चाबी सुरक्षा निकायसँग रहना मेरके खोज तथा उद्धारके लाग अत्यावश्यक सामग्री भण्डारण करल पाटन नगरपालिका-८ के वडाध्यक्ष हरिश बिष्ट जानकारी डेलै । उहाँ जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, सुरक्षा निकाय ओ स्थानीय तहसमेत तीनु निकायके संयुक्त पहलमे सहायता स्थल सञ्चालनमे रहल बटैलै ।

# साँफे-मार्तडी सडक अवरुद्ध

**बाजुरा, २१ भदौ ।** बाजुराके साँफे-मार्तडी सडक पूर्णरुपमे अवरुद्ध हुइल बा । शनिच्चरके रात परल अविरल वर्षातके कारण सडकके उप्परसे पहिरो गैलपाछे उ सडक पूर्णरुपमे अवरुद्ध हुइल हो ।

साँफे-मार्तडी सडक खण्डअन्तर्गत पर्ना राप्का सेलाघाट, सुवाखाँद पावरहाउस ओ कारागार टरक सडकके बिच-बिचमे बरवार पहिरो गैलपाछे अठ्बे जिल्लामे अइना सक्कु सवारी साधन तिपाडा जडाङ्गामा राप्का लगायतके टमान ठाउँमे रुकल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाजुरा जनैले बा ।

पहिरोसे मानवीय क्षति नैहुइलेसे फेन यहाँ भौतिक रुपमे भर बरवार क्षति हुइल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाजुराके प्रहरी निरीक्षक गगनसिह भाट बटैलै । उहाँ कहलै, "पहिरोके कारण अठ्बे यहाँ दुई-चार घरमे पूर्णरुपमे क्षति हुइल बा ।"


साक्षर समाज-सक्षम राष्ट्र

अक्षर चिन्न सक्ने हातले मात्रै आफ्नो अधिकार चिन्न सक्छ, शिक्षित नागरिकले मात्रै समाज परिवर्तन गर्न सक्छ, साक्षरता भनेको केवल पढ्न लेख्न जान्नु मात्र होइन, यो आत्मविश्वास, रोजगारी, स्वास्थ्य र स्वतन्त्रताको ढोका हो।

शिक्षाः

- आत्मनिर्भर बन्नका लागि,
- रोजगारी र अवसरको लागि,
- लैंगिक, जातीय र क्षेत्रीय समानताका लागि,
- धार्मिक सहिष्णुता र सम्मानको लागि,
- अधिकार र कर्तव्य बोधका लागि,
- स्वास्थ्य सम्बन्धी सचेतनाका लागि,
- आर्थिक सशक्तिकरणका लागि,
- सामाजिक विकास र समृद्ध राष्ट्रको लागि।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड


# जडीबुटी तेल बनैना भण्डारण केन्द्र

**नेपालगन्ज, २१ भदौ ।** बाँकेमे उत्पादन हुइना जडीबुटीजन्य तेलके गुणस्तर जोगैना ओ किसानहे उचित मूल्य डेना उद्देश्यसहित आधुनिक भण्डारण केन्द्र निर्माण करल बा ।

डिभिजन वन कार्यालय बाँके राप्तीसोनारी गाउँपालिका-२, कचनापुरस्थित जयदुर्गा भवानी सामुदायिक वनक्षेत्रमे आधुनिक प्रशोधित जडीबुटी तेल भण्डारण केन्द्र निर्माण करल हो । बाँके राष्ट्रिय निकुञ्जके मध्यवर्ती क्षेत्र तथा मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व प्रभावित क्षेत्रमे वैकल्पिक आयआर्जनके रूपमे मेन्था, लेमनग्रास ओ क्यामोमाइल जैसिन जडीबुटी खेती प्रवर्धन करले बा ।

सबडिभिजन वन कार्यालय, शमशेरगन्जके वरिष्ठ वन अधिकृत मनोज शर्माके अनुसार जयदुर्गा भवानी सामुदायिक वनक्षेत्रमे किसान मेन्था, लेमनग्रास ओ क्यामोमाइलके व्यावसायिक खेती करटि आइल बटैं । प्रशोधनपाछे निक्रल तेल सुरक्षित ढरना पूर्वाधार नैहोके गुणस्तरमे हास अइना समस्या रहे । ओहे समस्याहे सम्बोधन करना भण्डारण केन्द्र निर्माण करल उहाँ बटैलैं ।

वन उपभोक्ता समूहके अध्यक्ष दीर्घबहादुर बुढाथोकीके अनुसार यी क्षेत्रमे किल ७० से ढेर परिवार तेल उत्पादन हुइना जडीबुटी खेती करटि बटैं । आधुनिक चिस्यान भण्डारण केन्द्र बनलपाछे किसान उत्साहित हुइल उहाँ बटैलैं । पाछेक वर्षमे सुरक्षित भण्डारण, प्रशोधन ओ बजारीकरणके अभावमे कुछ किसान जडीबुटी खेतीसे विमुख हुइटि रहल गुनासो आइलपाछे वन कार्यालय १२ लाख रुपियाँके लागतमे उ केन्द्र निर्माण करल हो ।

नेपाल जडीबुटी व्यवसायी संघके अध्यक्ष टंकप्रसाद शर्माके अनुसार चट्कल घाम, तापक्रमके उतारचढाव ओ चुहावटके कारण तेलके गुणस्तर घट्ना, रासायनिक तत्व कम हुइना ओ तौल घट्ना समस्या रहे । गुणस्तरमे हास आके किसान उचित मूल्य पाइ सेक्ले नैरहैं । उहाँ भण्डारण केन्द्र सञ्चालनमे आइलपाछे यी समस्या हट्ना ओ किसान प्रतिस्पर्धी मूल्य पैना विश्वास व्यक्त करलैं ।


ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

*कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।*

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९



सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

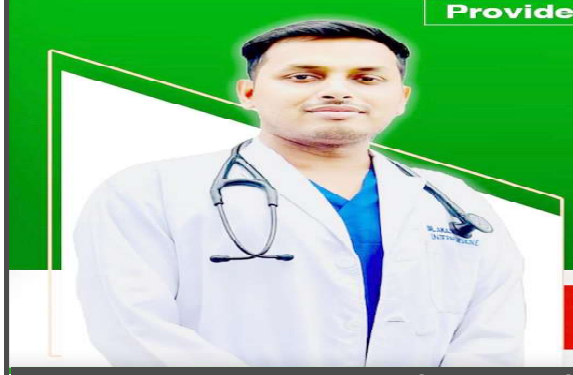

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

**हाम्रा सेवाहरु** : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९